

०६ सौलदार, रिवां बड़ी
(बागीर - राजस्वार)

कुमाराम

17.7.2017 पञ्चायती केस हरी जैर सापल कुनारप उम 504
एत कुनारप। पञ्चायती का खेवलोका क्रिया खेवेम
मे क्रिया देव प्रकाट है कि पञ्चायती एका प्रडा क्रिया
के शौज केविएपार के एवम 156 एवम 0.02 एवम
क्रिया मन्दि मे कुनारप एर एवम 2024 के
कुनारप एवम पोचयती जारी एवम रिवाली -
केव रिवाली के रिवाली एवम एवम एवम
नागरज कल्या करमे के एवम एवम - श्री. पी. विवेक
केस कि अर्थ। एवम एवम एवम एवम
एवम एवम एवम एवम एवम
के एवम



(Faint, illegible text and stamps)

पत्र प्रकृति को कर और सार्वजनिक विवरण LK में
 की धारा 31 के तहत कोरिस न्यून विवरण में सार्वजनिक
 उपर 521 एवं सुवा जय एवं वधान लिए निधम धर्म 840 -
 कथन एवं धर्म की वध कथी 1/1 वधान सामिप पञ्चम
 क्रिया जय अचलोक से सफल है कि और सार्वजनिक धर्म
 के परिधाय के शक वध 456 (वध 002) के तहत क्रिस पञ्च
 के कु (वध) पर वाच्यजय जय के वधान क्रिया है से से 1/1
 सार्वजनिक धर्म के कु (वध) पर अचलोक कथे है अचलोक
 क्रिया क्रिया जय वधान धर्म के कु (वध) पर क्रिस
 जय के वध वध की क्रिया जय से वधान कथे है

सार्वजनिक धर्म का पञ्चम गुण गुणिवध 07/ - के
 (सुवा जय धर्म) - क्रिया क्रिया है 1 पञ्चम वधान जय 30 वधान
 की क्रिया वधान के वधान धर्म वधान की वधान है
 क्रिया जय वधान क्रिया धर्म वधान है क्रिया वधान के
 क्रिया वधान वधान क्रिया वधान वधान वधान वधान
 क्रिया वधान 17.7.2017 की सुवा सार्वजनिक धर्म सुवा

श्री. सीलदार, रियां वड़ी
 (वाच्य - सार्वजनिक)